

Krishnai Shikshan Prasarak Mandal Latur's
JANVIKAS MAHAVIDYALAYA BANSAROLA

Tq.Kaij, Dist.Beed - 431518 (M.S.)



A PROFILE
HINDI
DEPARTMENT
WEL-COME TO NAAC PEAR TEAM

2022

PART-I About Department

(A) Introduction

हमारे कॉलेज की स्थापना जून 2000 में हुई थी। तब से हिंदी विभाग चल रहा है। भारत के स्वतंत्र होने के बाद से हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। होना जरूरी था भारत जैसे राष्ट्र में संचार के लिए एक भाषा जिसमें विभिन्न राज्य और भाषाएँ शामिल हैं। हमारे जैसे अंतर संचार के लिए एक आम भाषा रखने के लिए कई भाषाएं और क्षेत्र हैं। यह न केवल आवश्यकता है, लेकिन यह राष्ट्र के गौरव और अखंडता का विषय भी है। हालाँकि मराठी महाराष्ट्र की मातृभाषा है, लेकिन हिंदी पूरी तरह से अपरिचित नहीं है महाराष्ट्र के लोग यह शब्दावली, संरचना और लिपि की समानता के कारण है। इसलिए हिन्दी के लिए महाराष्ट्र का जन्मजात प्रेम है। भारत की अलग छवि बनाने के लिए हमें मजबूत करने की जरूरत है हिन्दी। इन सभी उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने हिन्दी पढ़ने की सुविधा को सही रूप में रखा है

Aims & Objectives

- ❖ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को उभारते हुए उनकी सृजनात्मकता को मंच प्रदान करना ।
- ❖ विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति को विकसित करना ।
- ❖ विद्यार्थियों को भाषा का ज्ञान प्रदान करना जिससे वे अपनी आजीविका प्राप्त कर सकें ।
- ❖ भाषा एवं साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा प्रदान करना जिससे उनमें संवेदनात्मक परिवर्तन हो ।
- ❖ भाषा एवं साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्माण करना ।
- ❖ विद्यार्थियों में विभिन्न भाषिक कौशलों का निर्माण करना जिसका उपयोग वे भविष्य में करें ।
- ❖ हिंदी भाषा एवं साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावना का निर्माण करना ।
- ❖ विद्यार्थियों को भाषिक सम्प्रेषण कला में निपुण करना ।

भाषा एवं साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक सद्भावना का निर्माण करना ।

Highlights of Departments:-

1. Modern teaching aids like O.H.P. (cover project) slide projector are used.
2. Well qualified teaching staff.

3. Guidance to the students for competitive exam.
4. Conducted bridge course, enrichment course, remedial teaching.
5. Arranged debate competition, mock interviews.

About Department of HINDI

Course Offered

Location : - **Main building.**

Staff Cabin : - **01**

Level	course	Est. Year	Duration	Intake
U.G.	B.A.	June 2000	03 years	240

Faculty:-

Name	Qualification	Designation	Date of appointment	Specialization	Teaching experience
Dr. Lahade M.A.	M.A.,B.ed, M.Phil.,Ph.D.,	Professor	14-11-2003	STORY	19
Dr. Bhosale G.S.	M.A, Ph.D.	Associate Professor	08-08-2000	Drama	22

Student Strength:-

Sr.	Student Strength
-----	------------------

No	Year	UG Level			Total
		B.A.F.Y.	B.A.S.Y.	B.A.T.Y.	
1)	2016-17	98	73	35	206
2)	2017-18	120	36	28	184
3)	2018-19	135	53	35	223
4)	2019-20	117	55	20	192
5)	2020-21	65	26	23	114

Student Strength:-

Sr. No	Year	Student Strength						Total
		UG Level Second Language (S.L.)						
		B.A.		B.COM.		B.SC.		
		F.Y.	S.Y.	F.Y.	S.Y.	F.Y.	S.Y.	
1)	2016-17	130	67	55	35	52	30	369
2)	2017-18	107	25	60	40	55	32	319
3)	2018-19	99	65	65	42	47	37	355
4)	2019-20	85	51	54	45	61	34	330
5)	2020-21	49	23	66	39	44	35	256

Result (Final Year in %):-

Sr.No	Year	U.G.%
01	2016-17	100%
02	2017-18	83%
03	2018-19	70.5%
04	2019-20	100%
05	2020-21	77.4%

Research Contribution:-

Sr.No	Faculty	Recog. Guide	Ph.D. Students		
			Registered	Submitted	Awarded
1	Dr. Lahade M.A.	2011	04	-	02
	Dr. Bhosale G.S.	2014	-	-	03

Books Published:-

Name of Author	Title of the book	Name of Publisher	ISBN Number	Year
Dr.Lahade M.A.	Godan Aur Maila Aanchal Ke Purush Patron Ka Tulnatmak Adhyayan	Jyoti Chandra Publikeshan Latur	978-81- 909640-2-9	2010
	Shodha Dhara	Autal Prakashan Kanpur	978-93- 80760-18-6	2013
	Kamleshwar Ki Khaniyo ka Shilpgat Addyan	Autal Prakashan Kanpur	978-93- 80760-35-3	2016
	Kamleshwar Ki Khaniyo Ka Aythart Both	Shelaja Prakashan Kanpur	798-93- 80788-31-1	2015
	Kamleshwar Ke Uponysoka Anusilan	Jyoti Chandra Publikeshan Latur	978-93- 85162-90-9	2017
Dr.Bhosale G.S.	Shelesh Matiyani Ke Upnays Sahity Me Yathartha Bodha	Jyoti Chandra Publikeshan Latur	978-81- 909640-4-3	2010

Research Papers:-

Sr,No	Faculty	National	International	Total
01	Dr.Lahade M.A.	13	55	68
02	Dr. Bhosale G.S.	18	22	40

Conference, Seminar, Webinar, Workshop Attended:-

Sr,No	Faculty	Conference	Seminar	Webinar	Workshop	Total
01	Dr.Lahade M.A.	30	26	81	10	147
02	Dr. Bhosale G.S.	10	16	80	09	115

Organized Webinar:-

Title of Webinar	Level	Date
21th shti Ke Hindi Sahity Ka Badlta Sourup	National	03-05-2020
Hindi Ka Vishvika Paridrsh	International	19-01-2021
Hindi Ka Vishvika Vikas Stiti Our Snbhaonay	National	10-01-2022

Contribution in College and University:-

Faculty	College Level	University Level
Dr.Lahade M.A.	<ul style="list-style-type: none">• Member of Cultural Committee.• Member of Criteria- III, Research Innovations and Extensions.• Member of Admission Committee.• Member of Student Council Committee.• Member of Academic Planning Committee.	<ul style="list-style-type: none">• Chairman/ Paper Setter at P.G. level examinations.• Member/ Paper Setter at U.G. level examinations.• Examiner U.G. Project Work Examination.

Alumni of the Department

Sr. No	Name of student	Present Position	Present Address	Year
01	Bhosale Vikas Bhibishan	Bajaj Finance	Pune	2016
02	Baghwan Sherkhan Akbar	Press Accreditation	Latur	2017
03	Dhotre Dipak Shivaji	Shiv Tractor breaker	Latur	2017
04	Panchal Mahadev Vishwanath	Mauli Furniture	Bansarola	2017
05	Kodre Ranjeet Ramesh	Hotel Ranjeet Resturant	Tandulwadi	2018
06	Gangne Amar Angadrao	Laxmi General & Gift Centre.	Tandulja, Latur	2019
07	Jagdev Dnyaneshwari Baliram	Asha Worker	Sarsa, Latur	2020
08	Gandge Omkar Sambhaji	Typing Institute	Renapur	2021
09	Abhimanyu Bharatrao Kale	DIN	Ambajogai	2017
10	S.S.Jagtap	Tata Motors	Pune	2018
11	Prakash Gautam Thoke	S.B.I.clark	Ambajogai	2018

Students Activities in the department

- * Wel-come
- * Fare-Well
- * Seminars
- * Wall-Posters
- * Study tour

Action Plan of the Department for Next Five Years :-

- To organize National level Seminar
- Publication of Magazine by the Department
- To organize Lecture Series on Media
- Regional Language survey
- To establish 'Adhyasan Kendra' on Saint Kabir
- To carry out Student support activities and outreach programme
- PG Course

Photo Gallery



"हिंदी दिवस" के अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए प्राचार्य डॉ. बाबासाहेब गोरे



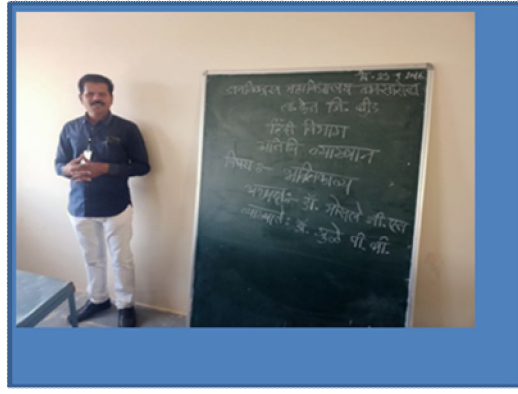
"शैक्षणिक परिभ्रमण 'दौलताबाद फोर्ट-औरंगाबाद' "



“बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र का संधालय”



“हिंदी दिवस” के अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए प्राचार्य डॉ. बाबासाहेब गोरे



अतिथि व्याख्यान



प्रकल्प कार्य की खुली मौखिक परीक्षा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड
बी.ए.तृतीय वर्ष, सत्र-IV
साहित्यशास्त्र-XI

काव्य के हेतू

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड
बी.ए.द्वितीय वर्ष
मध्ययुगीन कविता

1) सन्त नमोदेव

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

(बी.ए.तृतीय वर्ष, सत्र-IV)
साहित्यशास्त्र - XI

काव्य के प्रयोजन

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

बी.ए.द्वितीय वर्ष, सत्र-IV
आधुनिक काव्य - VII

"किसान" - मैथिलीशरण गुप्त

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

(बी.ए.तृतीय वर्ष, सत्र-IV)
साहित्यशास्त्र-XI

शब्द धर्मिता

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

बी.ए.तृतीय वर्ष हिन्दी
सत्र - V

हिन्दी साहित्य का इतिहास

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

बी.ए.तृतीय वर्ष, सत्र-IV
साहित्यशास्त्र-XI

शब्द धर्मिता

व्युत्पत्ति शब्द धर्मिता :-

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

मध्ययुगीन काव्य - V

बिहारी

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

सुरचायलम !!

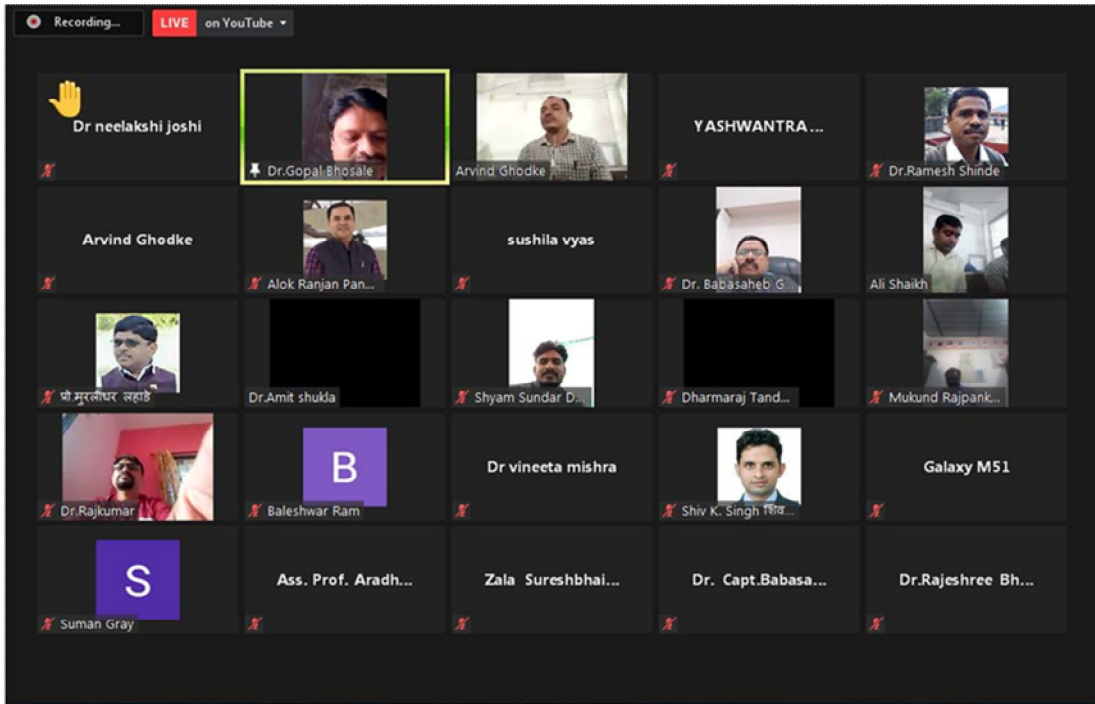
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा,
ता. केज, जि. बीड

हिन्दी साहित्य का इतिहास

सत्र - V

डॉ. मुरलीधर अय्यरराव लहाडे
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
जनविकास महाविद्यालय बनसरोळा

ऑनलाइन व्याख्यान की पी.पी.टी.



ऑनलाइन आंतरराष्ट्रीय वेबिनार

Strengths : (बलस्थान) :

- उच्च विद्या विभूषित और अनुसंधानरत अध्यापक
- 2 शोध निर्देशक और 04 शोधकर्ता अनुसन्धान कार्य में निमग्न
- नियमित और अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन के साथ अध्यापन
- विद्यार्थियों के सभी पाठ्यक्रम विषयक प्रश्नों का पूर्ण समाधान
- उपयोगिता पूर्ण विभागीय एवं केन्द्रीय ग्रंथालय में उपयोगी ग्रंथों की उपलब्धता।

Weaknesses (कमजोरियाँ) :

- स्थानीय भाषा एवं प्रादेशिक भाषा का प्रभाव,
- ग्रामीण प्रष्ठभूमि के छात्र होने के कारण आकलन में कमजोर ,
- भाषा संप्रेषण कला में उदासीनता मराठी में ही बोलने की प्रवृत्ति,
- हिन्दी भाषा साहित्य की जानकारी के अभाव के कारण अध्ययन में उदासीनता की वृत्ति,
- हिंदी से प्राप्त होनेवाले रोजगारपरक क्षेत्रों के ज्ञान का अभाव,
- हिंदी प्रदेश की सांस्कृतिक सामाजिक ज्ञान का अभाव,
- भाषा प्रयोगिकी लैब का अभाव,
- अंग्रेजी - हिंदी के ऐच्छिक पाठ्यक्रम का अभाव जो सरकारी अनुवाद एवं भाषा सम्बन्धी पदों के लिए आवश्यक

Opportunities : अवसर

- कुशलता के साथ भाषा - सम्प्रेषण करना व्यक्तित्व का प्रभावी गुण
- हिंदी अध्ययन से बैंक, बिमा, पत्रकरिता, रेल, भाषा प्रौद्योगिकी, दुभाषिया, डबिंग, ई क्षेत्रों में रोजगार प्राप्ति के अवसर
- हिंदी भाषा अध्ययन डीटीपी, प्रकाशन विभाग, राजभाषा विभाग, लेखक, टंकण, विदेश में 'हिंदी भाषा शिक्षक' के रूप में रोजगार प्राप्ति के अवसर
- हिंदी भाषा से लेखन के क्षेत्र में अन्य भाषा से अधिक अवसर है – पटकथा लेखन, फीचर लेखन, विज्ञापन लेखन
- वर्तमान में हिन्दीभाषा का वैश्विक स्तर निर्माण हुआ है, अतः भाषा अध्ययन से रोजगार के विपुल अवसर हैं ।

Challenges / चुनौतियाँ

- हिंदी भाषा अध्ययन में रुचि उत्पन्न होने के लिए भाषिक पाठ्यक्रम का निर्माण करना .
- हिंदी के रोजगारपरक व वैश्विक परिदृश का ज्ञान देना
- रोजगार परक हिंदी पाठ्यक्रम आरम्भ करना उदा. अनुवाद, पत्रकरिता, दुभाषिया ई.
- अनुवाद पाठ्यक्रम आरम्भ करना
- अंग्रेज़ी हिंदी का ऐच्छिक पाठ्यक्रम का निर्माण जिससे राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुवाद रोजगार के अवसर निर्माण हो.

- प्रौद्योगिकी परक भाषा शिक्षण आरम्भ
- लेखन शिविरों के आयोजन का अवसर
- हिंदी के सांस्कृतिक ज्ञान के लिए हिन्दी भाषी प्रदेश पर्यटन यात्रा का आयोजन
- हिंदी भाषा साहित्य अध्ययन करनेवाली संस्थाओं से अनुबंध

भविष्य की योजनाएँ

- 'भाषा अध्ययन से रोजगार प्राप्त हो ऐसे पाठ्यक्रम' आरम्भ करना
(उदा.अनुवाद,पत्रकारिता,रेडिओ लेखन,फीचर लेखन,विज्ञापन लेखन,पटकथा लेखन)
- हिंदी भाषा कौशल –प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आरंभ करना
- हिंदी भाषी संस्कृति के परिचय के लिए 'हिंदी भाषा-भाषी क्षेत्र पर्यटन यात्रा' का आरंभ करना
- रोजगारपरक पाठ्यक्रम - प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, न्यूनतम अवधि पाठ्यक्रम, सम्प्रेषण कौशल पाठ्यक्रम ई.का आरंभ करना
- शोध - गतिविधि को ध्यान में रखते हुए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का आरम्भ करना
- 'केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा' , 'हिंदी निदेशालय' से संपर्क – अनुबंध कर हिंदी अध्ययनपरक पाठ्यक्रम का निर्माण करना
- राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का आयोजन करना

धन्यवाद !!!